राज कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 330
चुंबा सम्राट
सुपर कमांडो ध्रुव

चुंबा को एक रहस्यमय शैतान ने एक खतरनाक हथियार के लिए भेजा था और चुंबा ने उस हथियार की जानकारी पाने के लिए रक्षक नाम के भक्षक को स्वाम्ली और उसके नाना के पास भेज दिया। मुठभेड़ में नाना घायल हो गए पर स्वाम्ली जानकारी वाला कागज लेकर निकल भागी। ध्रुव से स्वाम्ली की मुलाकात हुई और ध्रुव ने रक्षक को पकड़ लिया। लेकिन रक्षक ने जानकारी पहले ही चुंबा के पास फैक्स द्वारा भेज दी थी। चुंबा वह हथियार बनाने लगा। हथियार की जानकारी रखने वाले नाना जी को मारने के लिए उसने अस्पताल में अपने आदमी तरंगी को भेजा। लेकिन तरंगी भी ध्रुव के हाथ आ गया। टी.वी. साक्षात्कार के जरिए ध्रुव ने चुंबा को चुनौती दी और चुंबा तरंगी को छुड़ाने पुलिस हेडक्वार्टर में आ पहुंचा। ध्रुव को तरंगी ने मार डाला, चुंबा एस.पी. खान के भागते पेट्रोल टैंक के धमाके से भाग गया। तब पता चला कि वह चुंबा का रोबोट था। असली चुंबा तो तरंगी को लेकर हेलीकॉप्टर द्वारा निकल भागा था। यहां तक की कहानी आप अमर चुंबा में पढ़ चुके हैं अब पढ़ें इस कथा का शेष भाग...

चुंबा सम्राट

कथा: जॉली सिन्हा | चित्र: अनुपम सिन्हा | इंकिंग: विनोद कुमार, विट्ठल कांबले | सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय | सम्पादक: मनीष गुप्ता

लगभग एक घंटे बाद-
देख, इस लैब को! इसको तूने पहले कभी नहीं देखा है!

अब इन दो चुंबकों के बीच तैरते पदार्थ को ध्यान से देख!

एक पूरी जेल को, एक शहर को, यहां तक कि अपने ऊपर गिरती मिसाइलों को भी इससे ... जा सकता है!
कोई हमला नहीं कर सकता!
अब बॉस, न्यूज तो सुनलो! असली मजा तो इसी में है!
सही समझे!
अब इसकी ... से हम अपने ... और इसकी ... सारी दुनिया को ...
और फिर...
आज लगभग एक घंटा पहले ... घायल हो गए! एक ... आग ... दिया गया...
ये... ये क्या ... है?
क्योंकि न तो कोई आग है, धुंआ...

मरने का नाटक किया था ध्रुव! वह पीटर था! कलंकी फौजों का एजेंट!

हाँ! इलेक्ट्रॉनिक हाथ! ये दो हैं! एक नहीं दो हैं! एक से बचोगे तो दूसरा तुम्हारी हड्डियां तोड़ेगा, और ये दोनों हाथ ख़तरनाक तरंगों की मदद से तुमको देख सकते हैं! इसलिए इनसे तुम बच नहीं सकते!
उफ़्फ़! एक से बचता हूँ तो दूसरा चलता है!... छिपने की कोई जगह नहीं है!
और मेरे पास ऐसी कोई चीज़ नहीं है, जो इनको रोक सके!

मेरे दोनों इलेक्ट्रॉनिक हाथ आपस में ही लड़ मरे, धुंआ!

ओह! बाल-बाल बचा, लेकिन कुछ ही पलों के लिए!..

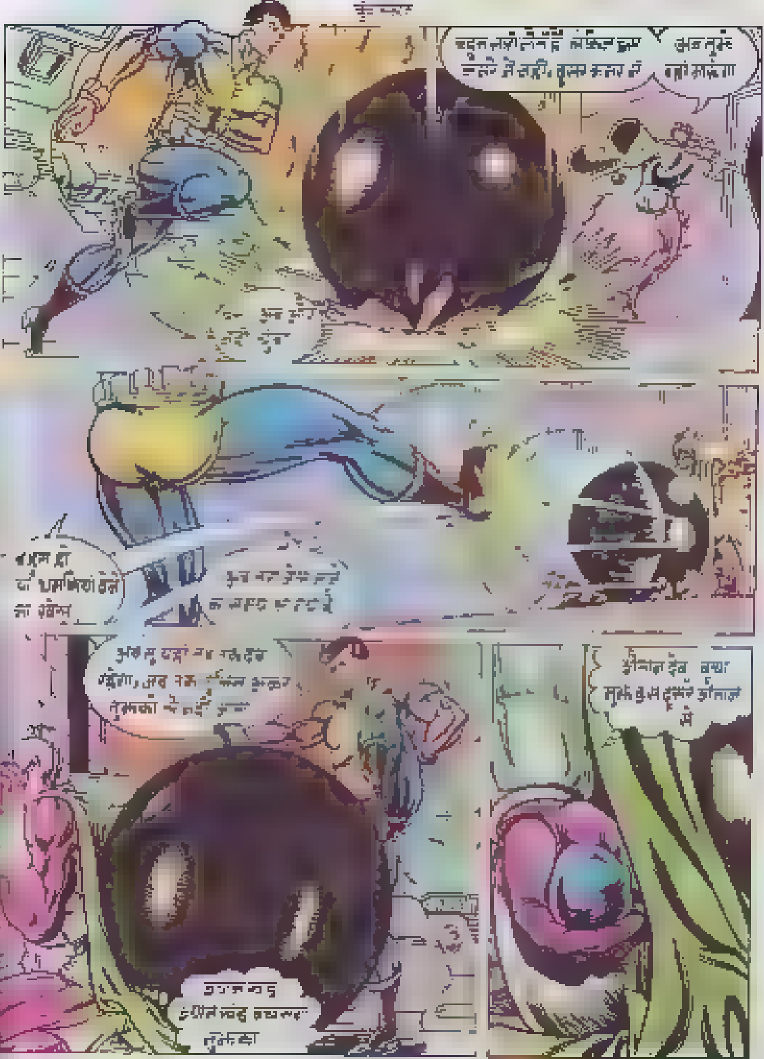

ध्रुव को अपने ... के होने का आभास तो हुआ
... खत्म हो चुका था।
उसकी आँखें जल्दी ही खुल गईं

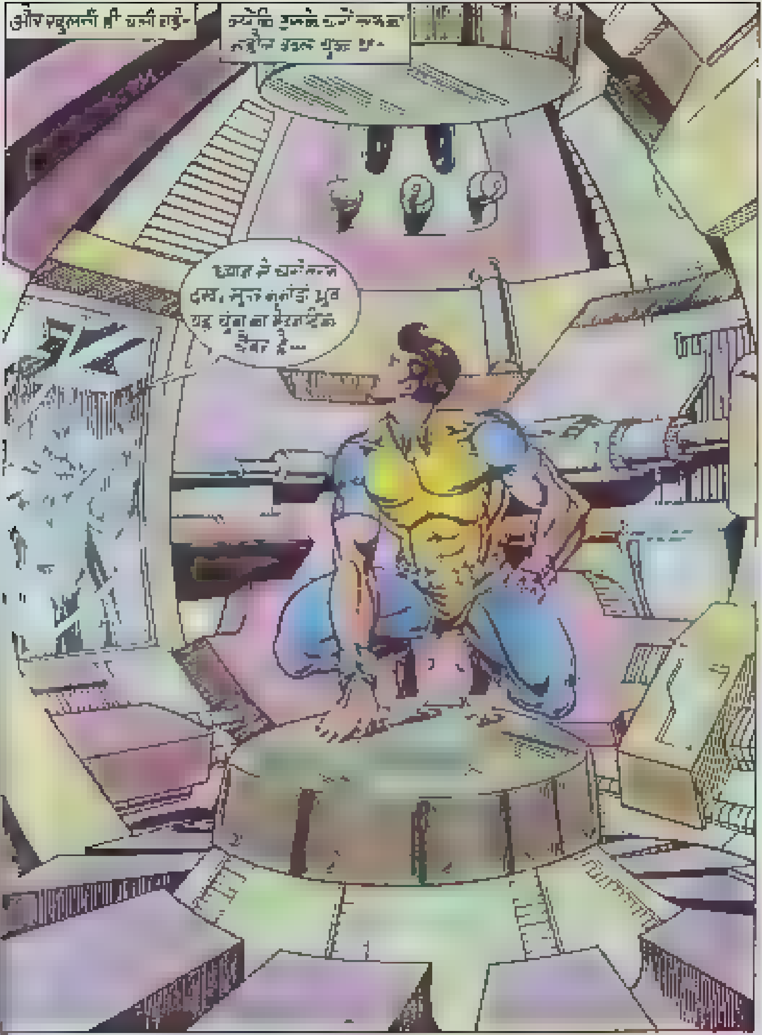

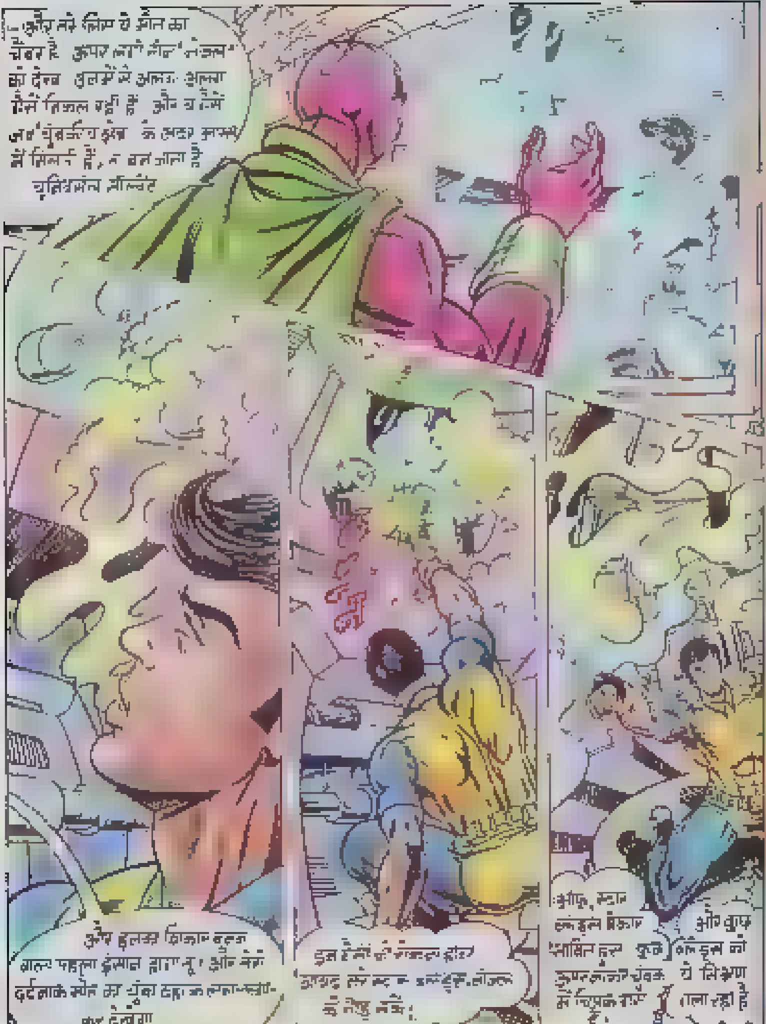

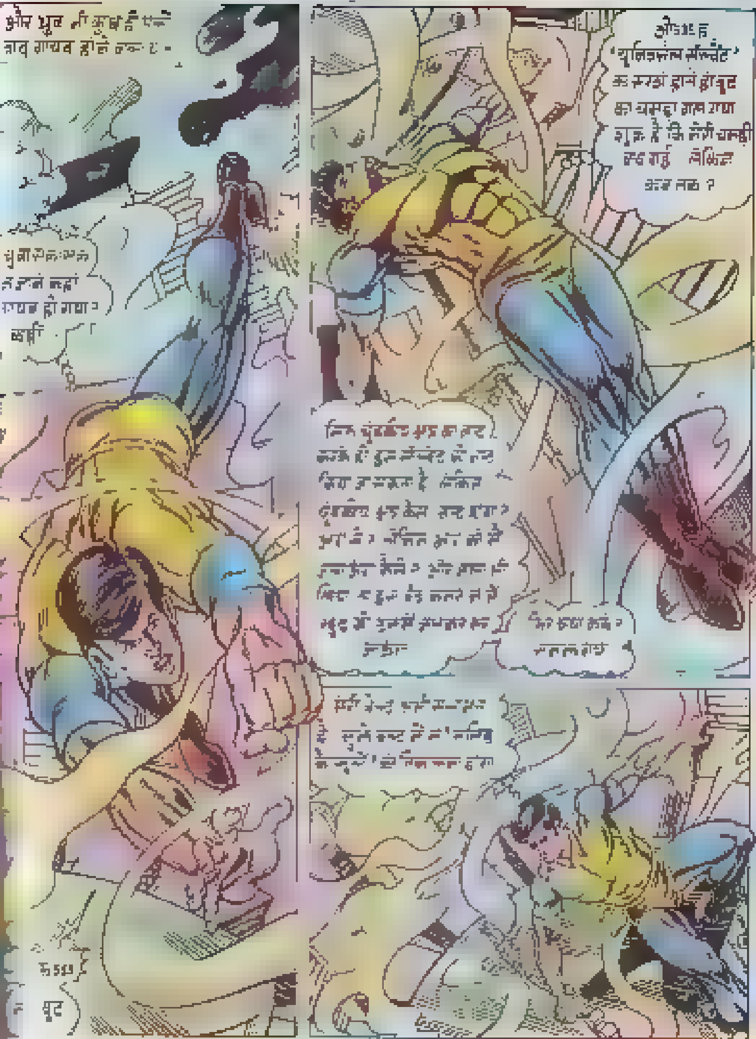

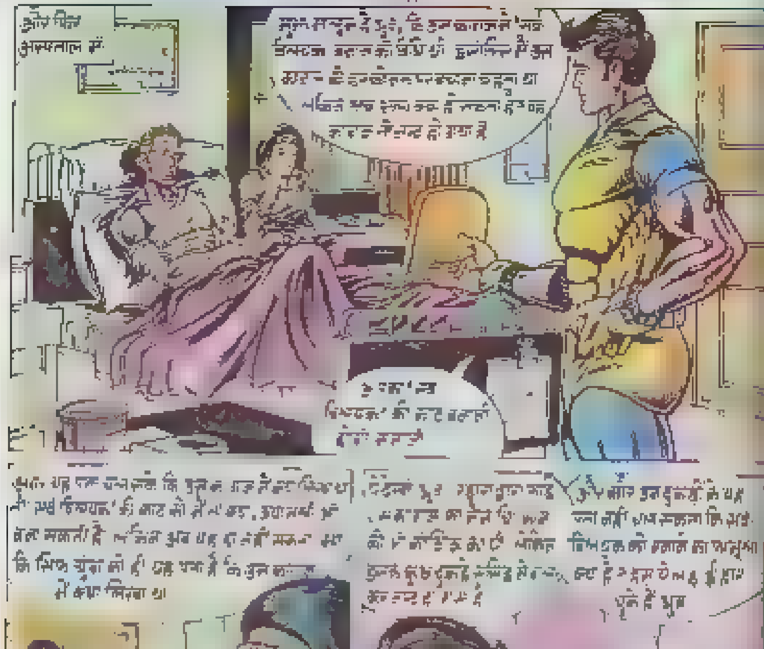
और फिर
अस्पताल में

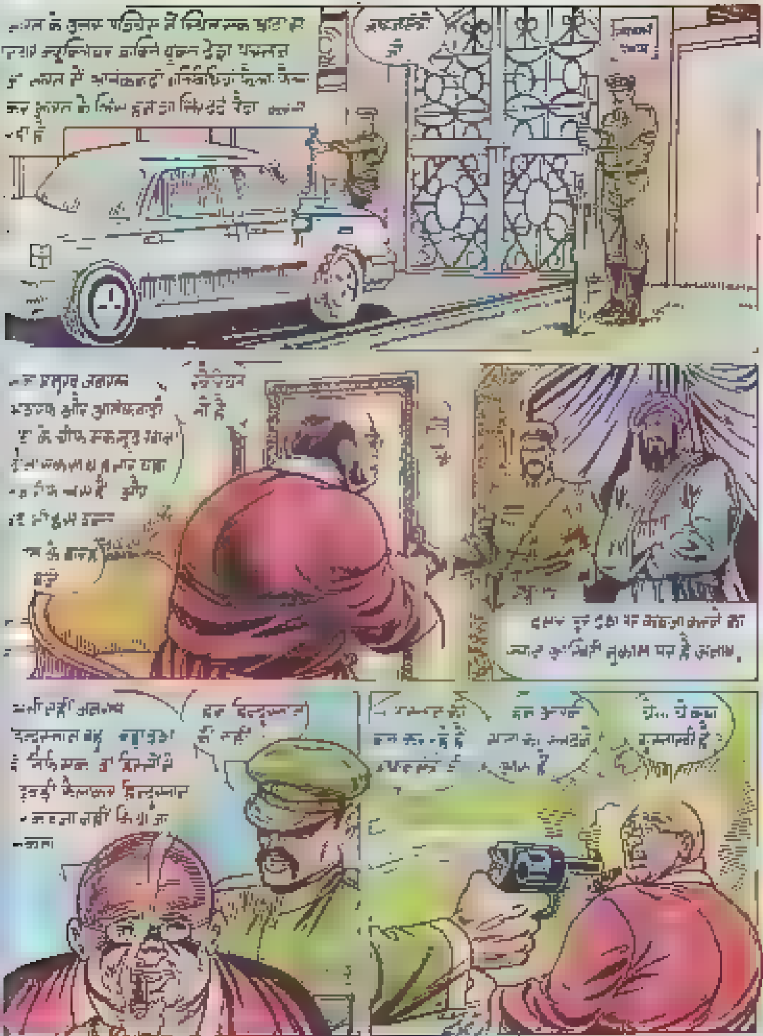

इसका इंतजाम
पहले ही कर लिया था

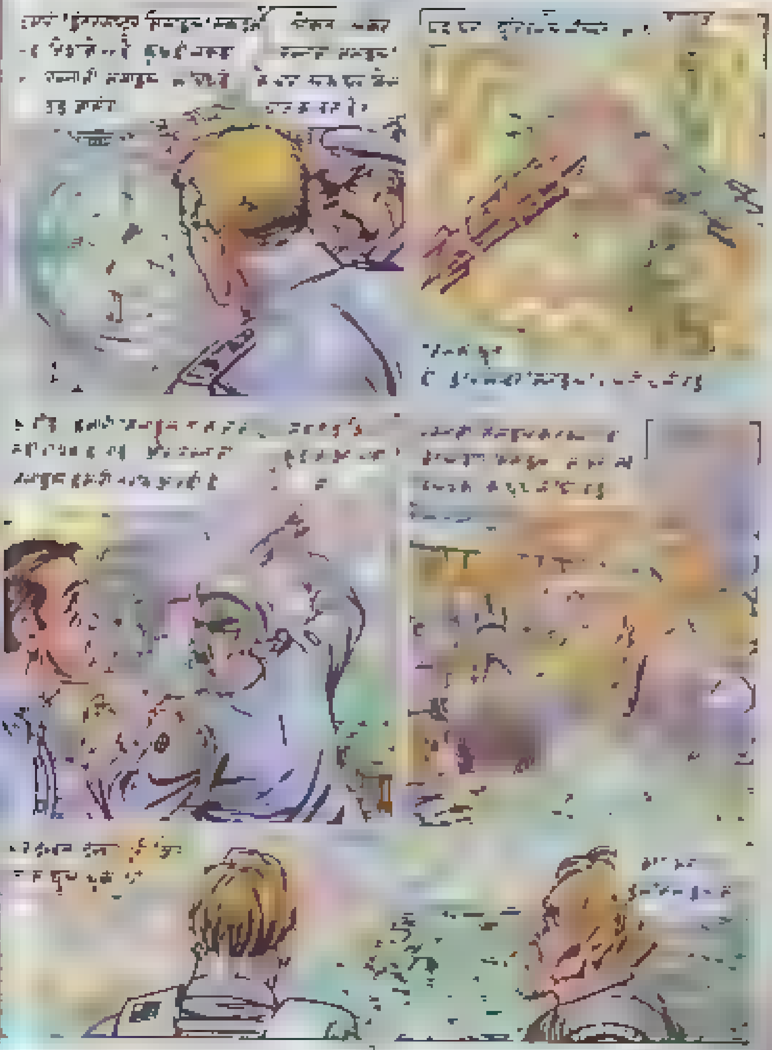

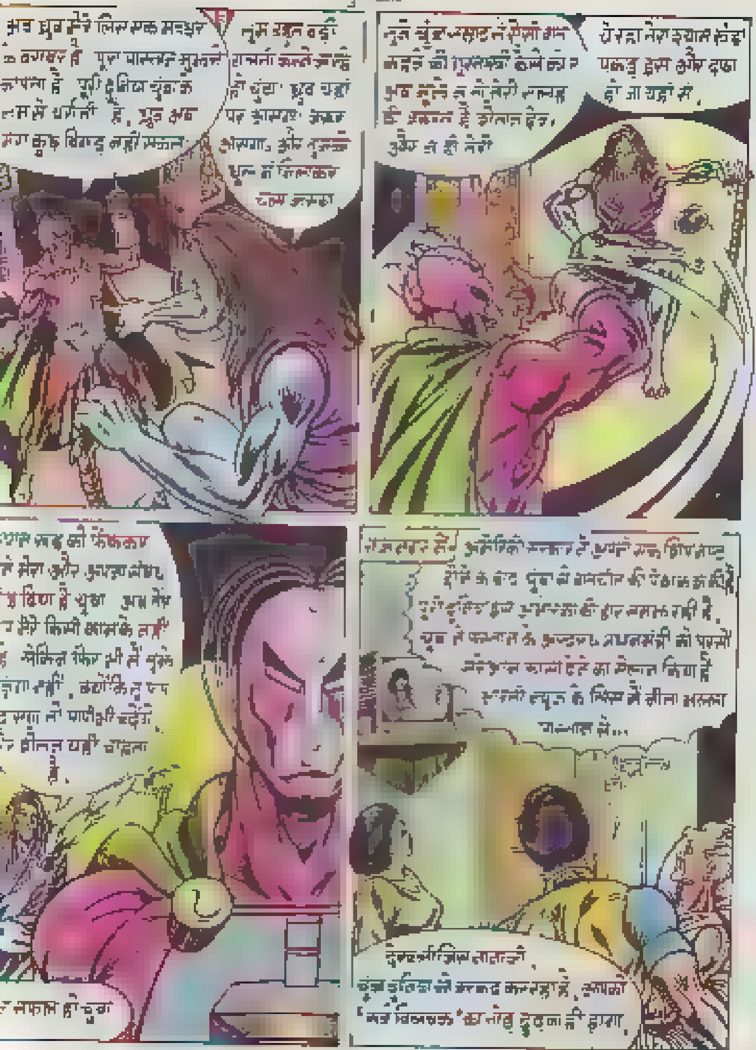

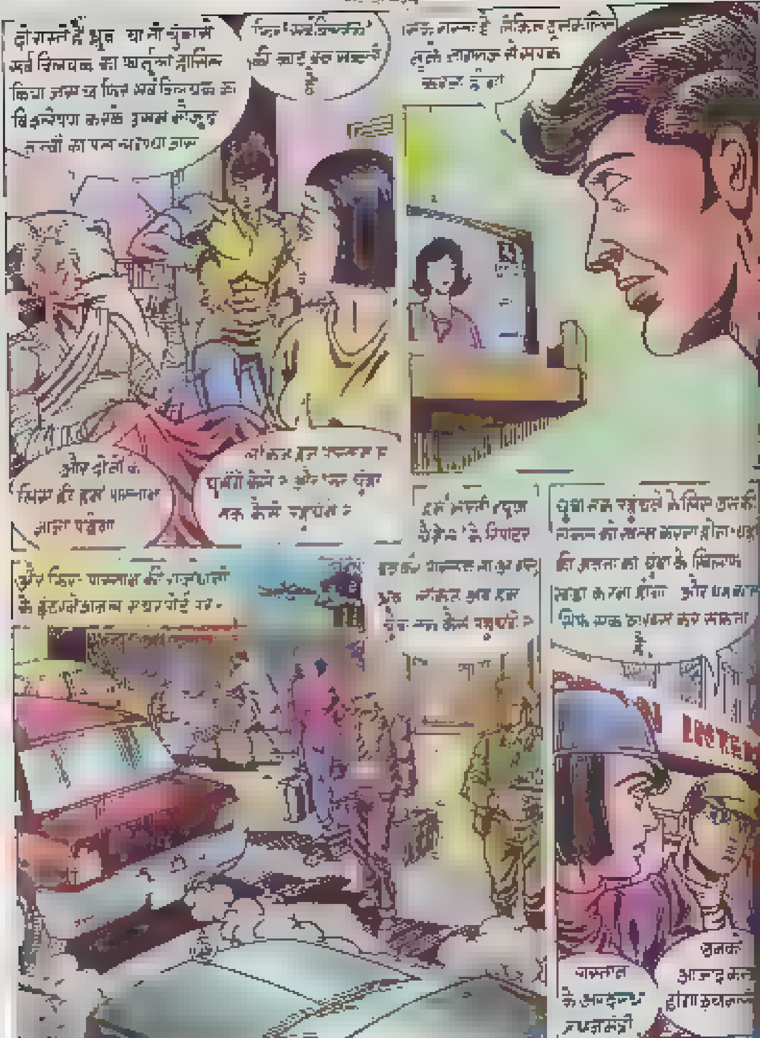

ये इस तरह हिनहिनाएंगे तो सैनिक यहां आ जाएंगे
तुम घोड़ों से बात कर सकते हो क्या?
घोड़ों से ही नहीं, मैं कई तरह के पशु-पक्षियों से बातें कर सकता हूं। मैं इन्हीं के साथ खेला और बड़ा हुआ हूं
इन घोड़ों ने तुमसे क्या कहा, ध्रुव?

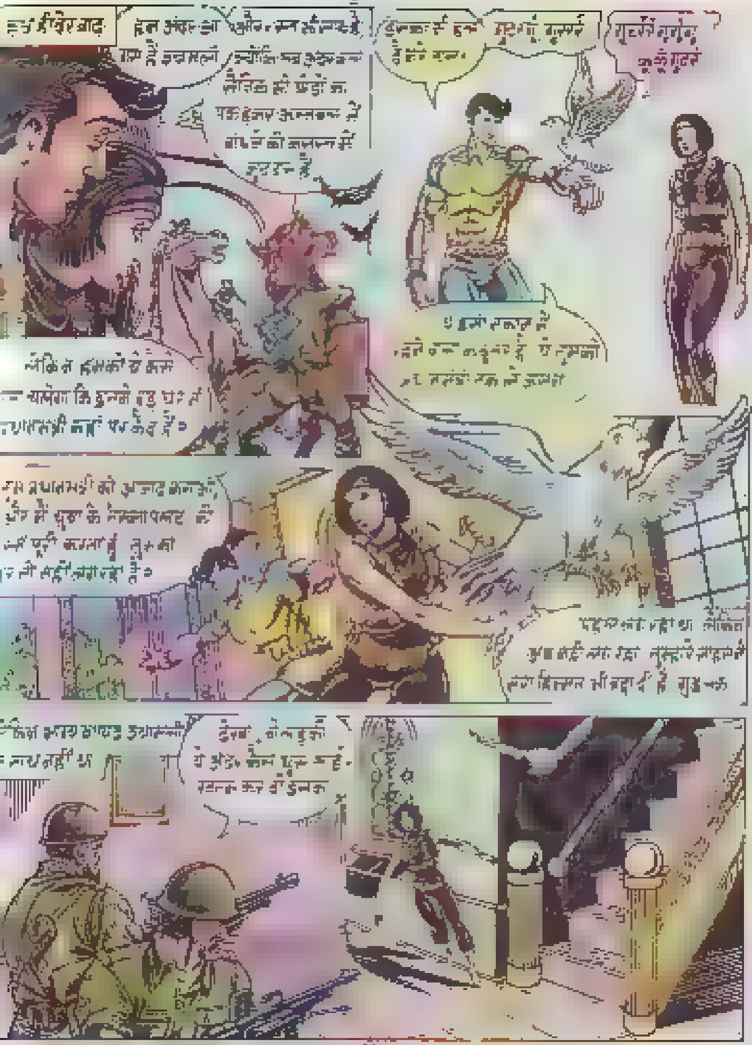

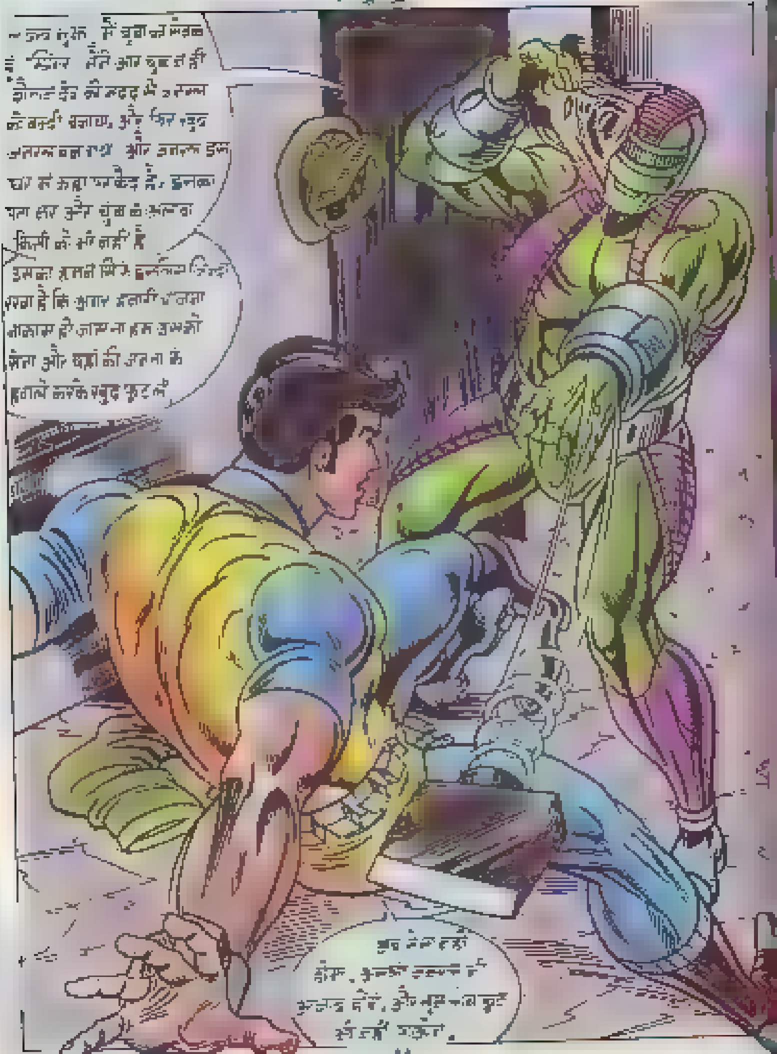

और सिंगार के संभलने से पहले ध्रुव
उसको पीछे धकेलता चला गया -
आ रहे हैं

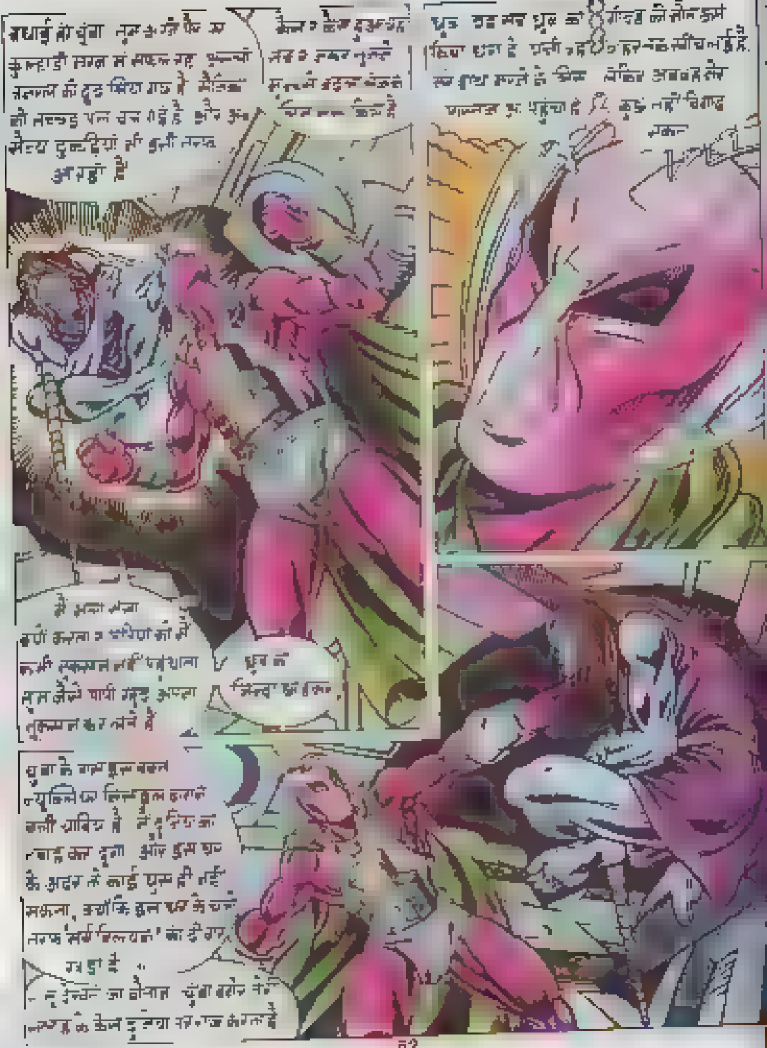

ओफ़, चारों तरफ़ सर्व विनाशक की दीवारें हैं और अंदर चुंग 'न्यूक्लियर मिसाइल' की चाबियों के साथ बैठा हुआ है
प्रभातजी, तुम इस सर्व विनाशक का विश्लेषण कर सकते हो या नहीं?
नहीं ध्रुव
और फिर
वहाँ 'सर्व विनाशक' की धुंध में प्रभातजी और भगवान से प्रार्थना करो कि यह घातक धुंध

दुनिया का हर महत्वपूर्ण शहर, अब इन न्यूक्लियर मिसाइलों का निशाना बन चुका है
इस पूरे घर को मैंने अपनी वैज्ञानिक प्रयोगशाला में बदल दिया है

सर्प विलयक की काट! मज़ाक करना छोड़ो ध्रुव! मैंने बड़ी मुश्किल से अपने आपको बेहोश होने से बचाया हुआ है!
आऽऽऽ हा! मैं भी कुछ सोच नहीं पा रहा हूं!
सोचो ध्रुव, सोचो!
याद आ गया!
इस कमरे में कंप्यूटर सिस्टम वगैरह सभी कुछ है! इंटरनेट भी जरूर होगा!
ध्रुव की उंगलियां की-बोर्ड पर दौड़ने लगीं! उसे कुछ याद आ गया था! पर क्या?

अब क्लौन के जवाब का इंतजार करने और सर्व विलक्षक से बचते रहने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है !
ध्रुव के साथ-साथ-
अरे ! असंभव ! असंभव !
कैसे ?
इससे पहले मैं तुझे हवा में उड़ा दूंगा, चुंगा !

आत्मसमर्पण कर दो!
कभी नहीं!

मुझे... मुझे कोई नहीं पकड़ सकता!
इसको क्या हो गया है ध्रुव?
चुंबा का दिमाग़ असंतुलित हो गया है। और इसके दिमाग़ में छुपा सर्व विनाशक का फार्मूला भी हमेशा के लिए खो गया है!
अब महानगर सुरक्षित है, और दुनिया भी!
समाप्त.